देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 19.01.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- उत्तराखंड की लोक संस्कृति और ऐतिहासिक पहचान को नया रूप देने के उद्देश्य से प्रदेश के पुराने और पारंपरिक बाजारों को हेरिटेज स्ट्रीट के रूप में विकसित किया जाएगा।
- उत्तरकाशी जिले की झाला ग्राम सभा में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर चलाए जा रहे धन्यवाद प्रकृति अभियान ने जनआंदोलन का रूप लिया।
- बागेश्वर में उत्तरायणी मेले में परम्परा के साथ ही विकास की झलक देखने को मिल रही है। विभिन्न विभागीय स्टॉल बने आकर्षण का केंद्र।
- प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक मौसम शुष्क बना रहेगा।

सांस्कृतिक शैली

उत्तराखंड की लोक संस्कृति और ऐतिहासिक पहचान को नया रूप देने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर प्रदेश के पुराने और पारंपरिक बाजारों को हेरिटेज स्ट्रीट के रूप में विकसित किया जाएगा। पर्यटन सचिव, धीराज गर्ब्याल ने बताया कि राज्य के सभी जिलों के प्रमुख बाजारों को स्थानीय पौराणिक और पारंपरिक शैली में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गढ़वाल क्षेत्र में गढ़वाली और कुमाऊं क्षेत्र में कुमाउंनी शैली को प्राथमिकता दी जाएगी। पर्यटन सचिव ने बताया कि पहले चरण में पौड़ी की मॉल रोड और अपर बाजार, नैनीताल का बड़ा बाजार, अल्मोड़ा का पटाल बाजार और नरेंद्रनगर का राजा का बाजार, हेरिटेज स्ट्रीट के रूप में विकसित किए जाएंगे।

स्वच्छता

उत्तरकाशी जिले की झाला ग्राम सभा में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर चल रहा धन्यवाद प्रकृति अभियान, अब एक जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है। युवाओं के बाद अब गांव की महिलाएं भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाकर नई मिसाल कायम कर रही हैं। ग्राम झाला में भागीरथी महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा इस अभियान के तहत स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान महिलाओं ने गांव के मंदिर प्रांगण, सार्वजनिक रास्तों और आसपास के क्षेत्रों की साफ–सफाई की तथा प्लास्टिक कचरे को एकत्र कर कूड़ेदान में वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित किया। महिलाओं की इस पहल ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि स्वच्छता केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामूहिक सामाजिक दायित्व है।

गौरतलब है कि धन्यवाद प्रकृति अभियान की शुरुआत गांव के युवा अभिषेक रौतेला ने की थी, जो वर्तमान में ग्राम प्रधान के रूप में भी इस संकल्प को आगे बढ़ा रहे हैं। इस अभियान का उल्लेख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आकाशवाणी के मन की बात कार्यक्रम में किया जाना, गांव के लिए गौरव का विषय रहा है। अब महिलाएं, युवा और बच्चे, सभी इस मुहिम से जुड़कर ग्राम झाला को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के प्रति जागरूक गांव के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

झील जलस्तर

बारिश न होने के कारण नैनीताल झील के साथ ही भीमताल, नौकुचियाताल और अन्य झीलों के जलस्तर में गिरावट आई है। नैनी झील का जलस्तर कई फीट नीचे चला गया है, जिसका असर पर्यटन सहित स्थानीय लोगों की पेयजल व्यवस्था पर भी पड़ने लगा है। इस स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने पानी की कटौती के आदेश जारी किए हैं। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने कहा कि झीलों के जलस्तर में गिरावट चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि इसकी लगातार निगरानी की जा रही है और जल संरक्षण के लिए खपत घटाई जा रही है।

जिलाधिकारी ने कहा कि झीलों का संरक्षण, प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि पर्यटन सीजन और पेयजल आपूर्ति प्रभावित न हो।

उत्तरायणी मेला

बागेश्वर में चल रहे उत्तरायणी मेले में इस बार परम्परा के साथ ही विकास की झलक भी देखने को मिल रही है। जिला प्रशासन की ओर से मेले में लगाए गए विभिन्न विभागीय स्टॉल, आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इन स्टॉलों के माध्यम से आम जनता को सरकारी योजनाओं, विभागीय गतिविधियों और स्वरोजगार से जुड़ी जानकारियां दी जा रही हैं। मेले में लगाए गए उद्यान विभाग के स्टाल विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। यहां प्रदर्शित साढ़े दस किलो की मूली और आठ फीट लम्बा शिमला मिर्च का पौधा, लोगों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। सहायक उद्यान अधिकारी कमलेश जोशी ने बताया कि उत्तरायणी मेले के माध्यम से विभाग द्वारा किसानों और आम लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा है।

वहीं, किसान चंद्रशेखर पांडे ने बताया कि उनके द्वारा उगाई गई जड़ी–बूटी के उत्पादों का स्टॉल मेले में लगाया गया है और वह लोगों को जागरूक भी कर रहे हैं।

उत्तरायणी मेले में हस्तशिल्प और ताम्र शिल्प से जुड़े कारीगरों ने भी अपनी पारंपरिक कला का शानदार प्रदर्शन किया है।

मौसम

प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक मौसम शुष्क बना रहेगा। मौसम विभाग ने 22 जनवरी को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में तीन हजार मीटर व उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है।

जॉर्ज एवरेस्ट मार्ग विवाद

मसूरी में विश्व प्रसिद्ध जॉर्ज एवरेस्ट मार्ग को लेकर हुए विवाद का समाधान निकल गया है। आम रास्ते पर कथित रोक और अवैध शुल्क वसूली पर नगर पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी ने अधिकारियों, सभासद और संघर्ष समिति के सदस्यों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जॉर्ज एवरेस्ट का यह मार्ग सार्वजनिक है और इसे निजी बताकर बंद करना या शुल्क वसूलना कानूनन गलत है। उन्होंने कंपनी प्रबंधन को मार्ग सुचारु रखने को लेकर सख्त चेतावनी दी और ऐसा नही करने पर नगर पालिका मसूरी द्वारा सख्त कार्रवाई करने की बात कही।